डिजिटल तकनीक से जांचा मानसिक स्वास्थ्य का स्तर

9 फीसदी लोग मानसिक बीमारी से पीड़ित मिले

जयपुर. आइआइएचएमआर विश्वविद्यालय की ओर से आमजन के साक्षात्कार के आधार पर किए गए अध्ययन में 9 फीसदी लोग मानसिक बीमारी से पीड़ित पाए गए हैं। जबकि 8 प्रतिशत को विशेषज्ञों ने मानसिक विकार से पीड़ित माना है। यह जानकारी विवि में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में दी गई। यह प्रशिक्षण डिजिटल तकनीक का उपयोग कर मानसिक बीमारी का प्रबंधन और निदान के लिए कौशल विकास पर आयोजित किया गया था। इसमें बताया गया कि विवि ने अलवर में दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ग्लोबल मेंटल हैल्थ असेसमेंट टूल लागू किया। कार्यक्रम में विवि के प्रेसिडेंट डॉ. पंकज गुप्ता ने बताया कि इसके आधार पर राजस्थान सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए जयपुर स्थित विश्वविद्यालय का समर्थन किया है।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि यह शोध अलवर के दो उप स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित किया गया था, जिसमें आस-पास क्षेत्र की लगभग पांच हजार की आबादी को शामिल किया गया, जिसमें से 918 लोगों के साक्षात्कार किए। इस अध्ययन में टैबलेट के जरिए लोगों का मानसिक स्तर आंका गया। गुप्ता बताया कि विवि ने सरकार को एक मॉडल दिया है, जिसके आधार पर लोगों का मानसिक स्तर आंका जा सकता है।

विवि चेयरमैन डॉ. एसडी गुप्ता ने बताया कि इस अनुसंधान के लिए प्राथमिक कर्मचारियों के लिए डिजिटल जीएमएचएटी पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया।